RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : रविवार 22 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 180 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शीतकालीन सत्र की घोषणा,

7 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा सत्र

मुंबई, महाराष्ट्र में शीतकालीन सत्र की ओर सबकी नजरें अडी थी की कब यह शुरू होने वाला है। अब इसे लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है जिससे कई सवाल उठ रहे है। क्या विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा? 7 दिसंबर से 20 दिसंबर के बीच दस दिवसीय कार्यसूची की घोषणा हुई है। आइए जानते है। हाल ही में सामने आई जानकारी के मुताबिक, नागपुर में होने वाले शीतकालीन सत्र का अंतिम कैलेंडर जारी कर दिया गया है और इसमें 7 दिसंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलने वाले सत्र के कामकाज का जिक्र किया गया है।

सात दिसंबर से 20 दिसंबर के बीच दस दिन कामकाज होगा और विधानमंडल कामकाज सल्लागार समिति की बैठक में यह तय होने की संभावना है कि कामकाज जारी रहेगा या 20 दिसंबर को सत्र समाप्त कर दिया जायेगा।

इस बीच, हर साल शीतकालीन सत्र शुक्रवार को समाप्त होता है लेकिन इस साल 20 दिसंबर यानी बुधवार को समाप्त होने की संभावना है। ऐसे में सवाल खड़ा हो गया है कि क्या शीतकालीन सत्र के कामकाज में दो दिन की कटौती की जाएगी। ऐसे में अब यह देखा होगा कि काहिर इससे जुड़ी और कोनसी जानकारी सामने आती है।

फ्रीज किए लॉकर से करोड़ों की नगदी और सोना गायब!

- आरोपियों ने कुएं में छिपाया
- पुलिस को मिली बड़ी सफलता

नागपुर, महाराष्ट्र राज्य के सबसे सनसनीखेज 58 करोड़ की ऑनलाइन गेमिंग धोखाधडी के मामले में नागपुर पुलिस ने बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने भंडारा जिले में और गोंदिया जिले में कई जगहों पर छापेमारी की। यहां पुलिस ने 3 करोड़ रुपए एयर करोड़ों का सोना बरामद किया है। बता दें कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी में 58 करोड रुपए की ठगी करने वाले इंटरनेशनल बुकी अनंत उर्फ सोंटू जैन के फ्रीज किए गए लॉकर से यह सब गायब किया गया था।

आरोपी ने इस घटना को गोंदिया के एक बैंक मैनेजर तथा चिकित्सक दंपति की मदद से जाम दिया था। सोंटू के आईफोन की जांच में पूरा मामला सामने आने के बाद पुलिस ने गोंदिया और भंडारा की सात जगहों पर छापा मार कर 3 करोड़ की नगदी तथा 2 करोड़ रुपए की कीमत का 2 किलो 200 ग्राम सोना बरामद किया है। 58 करोड़ रुपए की ठगी में सोंटू क्राइम ब्रांच की हिरासत में है। पुलिस ने उसका लैपटॉप और आईफोन बरामद किया था।

हालांकि उसने दोनों को फॉर्मेट करने के बाद पुलिस को सौपा था। पुलिस ने आधुनिक तरीके का इस्तेमाल कर मोबाइल का डाटा रिकवर कर लिया। इस डाटा से पता लगा कि उसने सोना अपने घर के कुएं में छुपा कर रखा था। पुलिस ने छापे के दौरान कुएं के ऊपर काफी कचरा नजर आया। उसे हटाने पर जाली पर लटकी हुई एक रस्सी दिखाई दी। इस रस्सी में एक बैग था जिसमें सोना रखा हुआ था।

350 ग्रामीण अस्पतालों के सक्षमीकरण के लिए उठे कदम

मुंबई, प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहनेवाले लोगों को उनके नजदीकी ग्रामीण अस्पतालों में पूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। राज्य का स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) ग्रामीण अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को अधिक सक्षम बनाने पर जोर दे रहा है। इसके लिए डीएचएस ने एक रूप-रेखा भी तैयार कर ली है। जिसके अंतर्गत बेड की संख्या और डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी।राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 350 ग्रामीण अस्पताल आते हैं। जिनमें स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवा निदेशालय विभाग की है। इन अस्पतालों में मरीजों के लिए करीब 10 हजार बेड हैं। हर अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ (गायनेकलॉजिस्ट) बच्चों के डॉक्टर और एक एनेस्थीसिया का डॉक्टर कार्यरत है। लेकिन अन्य बीमारियों या गंभीर मामलों के लिए मरीजों को या तो जिला अस्पताल या फिर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में रेफर किया जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए डीएचएस ने ग्रामीण अस्पतालों को सक्षम करने का कार्य शुरू किया है। कम हो जिला अस्पतालों का भार स्वास्थ्य सेवा विभाग के आयुक्त धीरज कुमार ने बताया कि नांदेड़ हादसे के बाद यह पता चला कि यदि लोगों को प्राथमिक स्तर पर सभी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तो जिला और तृतीय स्तर के देखभाल अस्पतालों का भार कम हो सकेगा। इसी के तहत ग्रामीण अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को और सक्षम बनाया जा रहा है। क्षमता के बाद भी सुविधा कम धीरज कुमार ने बताया कि वर्तमान में ग्रामीण अस्पतालों में 10 हजार बेड हैं लेकिन इसमें से सिर्फ 3 हजार बेडों पर ही मरीजों की भर्ती हो रही है। ग्रामीण अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा कम होने के कारण यह समस्या खड़ी हुई है। इसलिए यहां सुविधाओं में बढ़ोतरी की जा रही। इन अस्पतालों में एमडी मेडिसिन और सर्जरी के डॉक्टर नियुक्त किए जा रहे हैं।

आग लगने से कार्यशालाओं और गोदाम सहित 10 संपत्तियां जलकर राख

पालघर, पालघर जिले के वसई शहर में स्थित एक औद्योगिक इकाई में आग लगने से कार्यशालाओं और गोदाम सहित 10 संपत्तियां जलकर राख हो गई। संवाददाता के अनुसार नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि आग शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे लगी थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। नगर निगम के अग्निशमन अधिकारी ने कहा, 'आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की सात गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग पर आज सुबह काबू पाया गया। अभियान अभी जारी है।

यहां नवमी को ही होगा रावण दहन?

सरकार के आदेश से मचा बवाल

मुंबई, आजाद पार्क में पिछले 48 सालों से रामलीला और दशहरा के दिन रावण दहन का कार्यक्रम होता रहा है, लेकिन इस साल शिंदे गुट की ओर से आजाद पार्क में दशहरे के दिन एक सभा का आयोजन किया गया है. इसके मद्देनजर शिंदे सरकार की ओर से आदेश जारी किया गया है कि दशहरा उत्सव का आयोजन एक दिन पहले नवमी को ही कर लें या फिर किसी अन्य स्थान पर दशहरे के दिन रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन करें.

रावण दहन के मुद्दे पर अब कांग्रेस और राज्य सरकार आमने-सामने आ गई हैं. शिंदे गुट का दशहरा मिलन समारोह आजाद मैदान में होगा. आजाद मैदान में हर साल रामलीला का आयोजन किया जाता रहा है और दशहरा के दिन इस स्थान पर रावण दहन किया जाता है. हालांकि दशहरा के दिन शिंदे गुट की सभा है, इसलिए राज्य सरकार ने रामलीला के आयोजकों को दशहरे से एक दिन पहले यानी नवमी को ही रावण दहन खत्म करने का आदेश जारी किया है. इस पर कांग्रेस ने सवाल पूछा है कि क्या सरकार भगवान राम को सिर्फ वोट के लिए चाहती है?

कांग्रेस मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की है. उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि इस फैसले को वापस नहीं लिया गया, तो बड़ा आंदोलन होगा. ऐसे में सभी का ध्यान इस बात पर है कि राज्य सरकार क्या फैसला लेगी?

आजाद मैदान में पिछले 48 सालों से महाराष्ट्र रामलीला मंडल और साहित्य कला मंडल द्वारा रामलीला का आयोजन किया जा रहा है. इस स्थान पर प्रतिदिन रामायण का नाटक का मंचन किया जाता है. फिर दशहरा के दिन इसी स्थान पर रावण दहन किया जाता है.

शिवाजी पार्क मैदान पर शिंदे गुट और ठाकरे गुट के बीच विवाद हुआ था. दोनों समूहों ने जमीन पर अपना दावा किया था. हालांकि, विवाद से बचने के लिए शिंदे गुट ने शिवाजी पार्क मैदान पर अपना दावा छोड़ दिया. इसके बाद शिंदे गुट ने दशहरा सभा के लिए आजाद मैदान तय किया. हालांकि, इस मैदान में रामलीला और रावण दहन होने के कारण सभा में यह एक बड़ी बाधा थी. इसलिए सरकार ने बोर्ड को नवमी के दिन ही रावण दहन करने का आदेश दिया है. कहा गया है कि दशहरे से एक दिन पहले रावण दहन करें या रामलीला को दूसरे मैदान में ले जाएं.

वर्षा गायकवाड ने सीधे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति का अपमान है. यह आस्था का भी अपमान है. जहां रामलीला शुरू होती है, वहां रावण का वध किया जाता है. हालाकि, इस सरकार ने सब कुछ ताक पर रखकर एक चौंकाने वाला आदेश दिया है कि रावण एक दिन पहले किया जाए. वर्षा गायकवाड़ ने आलोचना करते हुए कहा है कि भारतीय संस्कृति की प्रशंसा करने वालों को यह शोभा नहीं देता. सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अन्यथा लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे और मुंबई प्रदेश कांग्रेस उनका समर्थन करेगी.

संपादकीय / लेख

देरी से मिला इंसाफ

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की सितंबर 2008 में हुई सनसनीखेज हत्या के करीब 15 साल बाद दिल्ली की साकेत अदालत ने इस मामले के सभी पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। इन्हें मिलने वाली सजा का एलान अभी नहीं हुआ है, वह 26 अक्टूबर को सुनाई जाने वाली है, लेकिन यह मामला कई लिहाज से महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक पत्रकार की हत्या का यह मामला उन कुछेक मामलों में शामिल है, जिसने देश में और खासकर बड़े शहरों में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को सामने लाने में मदद की। इसके बाद 2012 में दिल्ली में ही हुई निर्भया की हत्या ने इस मुद्दे पर लोगों की चिंता को अभूतपूर्व ढंग से रेखांकित किया। स्त्री, पुरुष बुजुर्ग, नौजवान, बच्चे सभी सड़कों पर निकल आए थे।

उसके बाद ही रेप कानूनों में सुधार लाते हुए उसका दायरा बढ़ाया गया। इन सबसे स्वाभाविक ही यह सवाल एक बार फिर सामने आता है कि सौम्या और निर्भया जैसे मामलों ने क्या देश के महानगरों में कामकाजी महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाया है। क्या आज महिलाएं 2008 या 2012 के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं? अगर आंकड़ों के आईने में देखें तो स्थिति और बदतर ही नजर आती है। दिल्ली का ही उदाहरण लें तो 2008 में यानी जिस साल सौम्या विश्वनाथन की हत्या हुई थी, राजधानी में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 3515 मामले दर्ज हुए थे। इसके मुकाबले पिछले साल के आंकड़े देखें तो दिल्ली पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 13,988 मामले दर्ज किए। यानी लगभग चार गुना इजाफा।

निश्चित रूप से ये आंकड़े हालात बेकाबू होने का संकेत देते हैं। लेकिन आंकड़े हमेशा पूरी तस्वीर पेश नहीं करते। इन पंद्रह सालों में दिल्ली की आबादी में हुई बढ़ोतरी का सवाल तो है ही, ये बढ़े हुए आंकड़े इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि इस दौरान लोगों में अपराध दर्ज कराने को लेकर जागरूकता बढ़ी है और पुलिस भी FIR दर्ज करने को लेकर पहले से ज्यादा उदार हुई है। इसके अलावा, कोई शहर वहां के नागरिकों के लिए कितना सुरक्षित है, यह बात महज आंकड़ों से तय नहीं होती। इसका ज्यादा व्यावहारिक मानक यह है कि उस शहर के लोग घरों से निकलते हुए खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। जहां तक दिल्ली की और खासकर यहां रहने वाली महिलाओं का सवाल है तो मेट्रो आने और महिलाओं को लेकर धीरे-धीरे समाज में खुलापन बढ़ने का पॉजिटिव इंपैक्ट इस मामले में भी देखा जा रहा है कि अब महिलाओं के घरों से बाहर निकलने में ही नहीं, कामकाज करने और पार्टियों में शिरकत करने के मामले में भी 15 साल पहले के मुकाबले स्थिति कहीं बेहतर है। हालांकि इसे कानून व्यवस्था के मोर्चे पर बेहतरी का विकल्प नहीं माना जा सकता। इसलिए उस मोर्चे पर प्रयासों में तेजी लाने की जरूरत बनी हुई है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र में जनता की सरकार आने के बाद सभी त्यवाहरो पर लगे प्रतिबंध हटा दिये गये है- मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

विधायक मंगेश कुंडलक,दिलीप लांडे के नवरात्रि पंडालो पाउच कर मुख्यमंत्री लिया मां का आशीर्वाद

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) पूर्वी मुंबई के कुर्ला काजु पाड़ा से लेकर सहित नेहरू नगर मे राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नव रात्र उत्साह के दौरान मां दुर्गा देवी के दरबार सहित कुर्ला की जनता का आशिर्वाद लेने पहुंचे। उल्लेखनीय तौर पर शिंदे गुट विधायक दिलीप लांडे के चाँदीवली निर्वाचन क्षेत्र मे भव्य स्वागत किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कुर्ला पूर्व नेहरू नगर से लेकर कुर्ला साकीनाका काजु पाड़ा क्षेत्र तक का विकास कार्य जोरों पर शुरू है। जिसका श्रेय हमारे साथ जुड़ें हुए उन चालीस विधायको को जाता है। वहीँ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कुर्ला के दोनों विधायको की तारिफ करते हुए कहा की क्षेत्र का विकास मंगेश कुंडलकर व दिलीप लांडे के बगैर कभी पुरा नही हो सकता था। दूसरी ओर जनता को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा की यह जनता की सरकार सत्ता मे आते ही पूर्व महाविकास आघाड़ी सरकार द्वारा लगाये सभी तरह के प्रतिबंधों से सभी धर्म के समुदाये को मुक्त कर खुलकर त्यवाहर आज मना रहे है ।

शांतिनगर पुलिस ने एमडी तस्कर को गिरफ्तार कर 110 ग्राम मेफेड्रॉन किया बरामद

मुस्तकीम खान

भिवंडी: भिवंडी के शांतिनगर पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जिसके पास से लाखों रुपए का एमडी ड्रग्स बरामद हुआ है। इसके साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार युवक के पास से ५० हजार रुपए कीमत के दो मोबाइल फोन भी जप्त किया है। बता दें कि शहर में नशेड़ियों के विरुद्ध भिवंडी परिमंडल दो के पुलिस उपायुक्त नवनाथ धावले के आदेशानुसार जारी अभियान के तहत विभिन्न पुलिस स्टेशनों ने कई नशा बाजों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा है। इस जारी अभियान के तहत शांतिनगर पुलिस स्टेशन के गुनाह पुलिस निरीक्षक विक्रम मोहिते को गुप्त सूचना मिली के कल्याण रोड स्थित भादवड़ में वाशिंग सेंटर के पास एक युवक ड्रग्स की बिक्री करने आने वाला है।

जानकारी मिलते ही भिवंडी पूर्व विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त किशोर खैरनार व शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक शंकर इंदलकर के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक (गुन्हे) विक्रम मोहिते, सहायक पुलिस निरीक्षक सुरेश चोपडे, पुलिस हवलदार सय्यद, पुलिस नाईक धायगुड़े, मोहिते, जाधव, मुके समेत पुलिस टीम ने जाल बिछाकर एक संदिग्ध युवक हिमांशु दीपेंद्र सिंह २६ वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर युवक के पास से ६ लाख ७१ हजार रुपए कीमत का मेफेड्रोन (एमडी) बरामद हुआ। इसके साथ ही पुलिस ने युवक के पास से ५० हजार रुपए कीमत के दो मोबाइल फोन भी जप्त किया है। इस तरह पुलिस ने कुल ७ लाख २१००० हजार मूल्य का सामान जप्त किया है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया युवक नशे की इस बड़ी खेप को शहर में बिक्री करने के उद्देश से लाया हुआ है। इस नशे की तस्करी में युवक के और भी साथीदार शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। जिसकी कार्रवाई पुलिस कर रही है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की कलम ८ (क) २२ (क) २९ के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नशे के नासूर को खत्म करना सबकी जवाबदारी...

हमें मिलकर कर इससे लड़ना होगा, डीसीपी

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी नवजवानों में बढ़ते नशाखोरी के खिलाफ जागरूकता लाने के लिए नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड ह्यूमेनटेरियन फेडरेशन के अध्यक्ष अब्दुल जब्बार शेख द्वारा शहर के अलग अलग स्कूलों में ''नशामुक्त अभियान'' कार्यक्रम करके जागरूकता अभियान चला रहे है । जब्बार शेख ने कैसर बेगम स्कूल व आशीर्वाद हिंदी स्कूल सहित अमजदिया स्कूल मे ''नशा मुक्त अभियान'' कार्यक्रम रखा गया जिसमें भिवंडी के पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवले, समदिया हाई स्कूल के प्रिंसिपल साजिद सिद्दीकी , इकबाल सिद्दीकी मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे ।

भिवंडी परीमंडल झोन 2 के पुलिस उपायुक्त नवनाथ धवले ने नशा मुक्त अभियान जागरूकता कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता है । भिवंडी पुलिस नशे के कारोबार करने वाले और नशा का सेवन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही कर रही है और यह आगे भी जारी रहेगा ।

अगर कोई नशेड़ी प्रतिबंधित नशे या एमडी ड्रग के साथ पकड़ा जाता है तो उसके ऊपर एनडीपीएस के तहत कार्यवाही की जा रही है जिसमे जमानत नहीं मिलती है ।

नशे के नासूर को खत्म करने की जवाबदारी हम सब की है हमें मिलकर इससे लड़ना होगा । पुलिस उपायुक्त ने उपस्थित लोगों के बीच अपने मोबाइल नम्बर साझा करते हुए अपील किया कि असामाजिक तत्वों द्वारा नशे का कारोबार करने वालो की जानकारी मुझे मैसिज करके दे उनपर कार्यवाही की जाएगी, उन्होंने बच्चों के मां बाप से अपील की, कि अपने बच्चों पर नजर रखे उन्हें बेहतर नागरिक बनाएं । इस कार्यक्रम में अमजदिया स्कूल के प्रिंसिपल महबूब आलम खान, मुफ़्ती जावेद, ट्रस्टी हाजी सिराज खान, सचिव हामीद खान , समाजसेवक अब्दुल लतीफ बाबा , अहमद सिद्दीकी,जाकिर मोमीन अयाज अंसारी, अकबर भाई आदि मौजूद रहे कार्यक्रम में आए हुए मेहमानो को नशा मुक्ती अभियान का शिल्ट देकर संमानित किया गया।

तुर्भे एमआईडीसी पुलिस ने एमआईडीसी क्षेत्र में 5.1 लाख मूल्य की हशीश के साथ व्यक्ति को गिरफ्तार किया...

नवी मुंबई : तुर्भे एमआईडीसी पुलिस ने एमआईडीसी क्षेत्र में एक 32 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और 5.1 लाख रुपये मूल्य की 1.318 किलोग्राम हशीश जब्त की है। व्यक्ति को मादक पदार्थ बेचने का प्रयास करते समय पकड़ा गया था। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नेरुल निवासी संजीव प्रकाश पाटिल और एक पेशेवर टेम्पो चालक के रूप में की गई है। पुलिस ने उसे मादक पदार्थ की बिक्री के प्रयास के दौरान गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने संजीव को कैसे पकड़ा

तुर्भे एमआईडीसी क्षेत्र में आसन्न नशीली दवाओं के लेनदेन की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, वरिष्ठ निरीक्षक रवींद्र दौंडकर ने निरीक्षक संजय जोशी और सहायक निरीक्षक नीलेश येवले सहित एक टीम को इकट्ठा किया। टीम ने गुरुवार को जाल बिछाया और एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से नशीला पदार्थ मिला। एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

ट्रैक्टर को बिना पगडण्डी 4694 फीट तक ले जाने जंगम भाई ने लगाया ये जुगाड़...

पुणे : भोर तालुका में रायरेश्वर पठार तक पहुंचने के लिए एक साधारण पगडंडी भी नहीं है। ऊपर जाने के लिए पत्थर की सीढ़ियाँ और लोहे की सीढ़ियों का उपयोग किया जाता है। चूँकि इस सीढ़ी का ढलान तीव्र है, इसलिए किले में आने-जाने में डर लगता है। पर्यटक और नागरिक सीढ़ियाँ चढ़ने में भी थक जाते हैं। ऐसे में रायरेश्वर के एक किसान भाई जंगम ने खेती के लिए एक ट्रैक्टर खरीदा। उस ट्रैक्टर को 4 हजार 694 फीट ऊंचे किले तक ले जाने की कीमियागिरी की जाती है. इस ट्रैक्टर को ऊपर ले जाने के लिए उन्होंने एक अनोखी तरकीब अपनाई है. इसकी चर्चा अब शुरू हो गई है.पुणे जिले के भोर तालुका के रायरेश्वर के दो किसान भाई अशोक रामचन्द्र जंगम और रवीन्द्र रामचन्द्र जंगम ने कृषि कार्य के लिए एक ट्रैक्टर खरीदा। लेकिन जब रायरेश्वर पर पैदल चलना भी मुश्किल

था, तो ट्रैक्टर का उपयोग कैसे किया जाए, यह सवाल था। लेकिन दृढ़ निश्चय और संकल्प से असंभव को भी हासिल किया जा सकता है। इसका उदाहरण इन किसान भाइयों ने पेश किया है. बुधवार 18 अक्टूबर को खरीदे गए ट्रैक्टर को रायरेश्वर की तलहटी में ले जाया गया। चूंकि आधार पर लोहे की संकीर्ण सीढ़ी से ट्रैक्टर तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए उसने ट्रैक्टर को आधार पर खड़ा कर दिया। ट्रैक्टर के टायर, इंजन, मडगार्ड, स्टॉक जैसे हिस्सों को साथ लाए गए मैकेनिक द्वारा ट्रैक्टर से अलग किया गया। औजारों और ट्रैक्टरों से अलग किए गए हिस्सों को 20 से 25 ग्रामीणों की मदद से लकड़ी के मेढ़ों, रस्सियों और डोली से बांधकर सीढ़ियों पर ले जाया गया। इसके अलावा, ट्रैकर के मुख्य फ्रेम, पिछले टायर और इंजन को बिना किसी खतरे के सीढ़ी के किनारे से लकड़ी के मेढ़ों द्वारा धीरे-धीरे पठार तक ले जाया गया। इसके लिए गांव वालों को बेहद खतरनाक कवायद से गुजरना पड़ा. ट्रैक्टर के हिस्सों और उपकरणों को पठार तक पहुंचाने में दो दिन लगे, बुधवार 18 अक्टूबर और गुरुवार 19 अक्टूबर। गुरुवार को सीढ़ी से पठार पर जाकर ट्रैक्टर के अलग हुए हिस्सों को जोड़ा गया। इसके बाद ट्रैक्टर को स्टार्ट कर गांव तक ले गये. इस तरह रायरेश्वर किले में अपना और स्थानीय किसानों का खेती के लिए ट्रैक्टर ले जाने का सपना साकार हो गया है और इतिहास में पहली बार रायरेश्वर में खेती के लिए ट्रैक्टर ले जाने की शुरूआत हुई है.

फोर्ट रायरेश्वरी की आबादी 300 है और 45 परिवार 16 किमी में फैले पठार पर रहते हैं। यह स्थान भोर से 26 किमी दूर है। मैं। की दूरी पर परिवहन बोर्ड की बस कोरले गांव तक जाती है। वहां से ग्रामीणों को रायरेश्वर तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ता है। उसके बाद से ग्रामीण और पर्यटक किले के पठार तक पहुंचने के लिए बेस के पास लगी लोहे की सीढ़ी का इस्तेमाल कर रहे हैं। पठार पर जैविक गेहूँ की खेती के साथ-साथ धान एवं धान की खेती की जाती है। इस फार्म की खेती पारंपरिक मनुष्यों और बैलों की मदद से की जाती है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, तीन महिलाओं को बचाया गया

मुंबई: एमआईडीसी पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है, तीन महिलाओं को बचाया है और मामले के सिलसिले में एक 34 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों को घरेलू सहायिका की नौकरी दिलाने के बहाने महाराष्ट्र लाया गया था, लेकिन उन्हें वेश्यावृत्ति में धकेल दिया गया। आरोपी की पहचान रमेश शर्मा उर्फ उमेश के रूप में हुई, जबकि उसका साथी दिनेश गौड़ा फरार है। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कि आरोपी अंधेरी के विभिन्न होटलों से सेक्स रैकेट चला रहे थे, पुलिस ने ग्राहक बनकर शर्मा से संपर्क किया। उन्होंने सात महिलाओं की तस्वीरें दिखाईं और उनमें से प्रत्येक के लिए -6,000 की बोली लगाई।

यात्री के बैग में बम, पुणे-दिल्ली फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग...

मुंबई : पुणे से 185 यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रहे अकासा विमान को एक यात्री द्वारा दावा किए जाने के बाद मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी कि उसके बैग में बम है, अधिकारियों ने शनिवार को कहा। . एयरलाइंस ने आज एक बयान में कहा कि जिस उड़ान को मुंबई हवाईअड्डे की ओर मोड़ा गया था, वह पुणे हवाईअड्डे से उड़ान भरने के लगभग 40 मिनट बाद आज तड़के उतरी। बम का दावा अफवाह साबित होने के बाद आखिरकार आज सुबह 6 बजे के आसपास फ्लाइट अपने मूल गंतव्य के लिए रवाना हो गई।

आज सुबह करीब 2.30 बजे सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने मुंबई पुलिस कंट्रोल को इसकी सूचना दी, जिसके बाद बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजेबल स्क्वाड (बीडीडीएस) टीम के साथ-साथ

पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में उस फ्लाइट के यात्री के सामान की तलाशी ली गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच में पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जिस यात्री ने दावा किया था कि उसके बैग में बम था, उसे सीने में दर्द की शिकायत के बाद विमान के मुंबई हवाई अड्डे पर उतरने के बाद एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक फ्लाइट में यात्री के साथ आए एक रिश्तेदार ने पुलिस को बताया कि सीने में दर्द के कारण उसने दवा ली थी। अकासा एयरलाइंस ने एक बयान में घटना की पुष्टि की।

''21 अक्टूबर, 2023 को 00:07 बजे पुणे से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली अकासा एयर की उड़ान क्यूपी 1148, 185 यात्रियों और छह चालक दल के सदस्यों को लेकर उड़ान भरने के तुरंत बाद एक सुरक्षा अलर्ट प्राप्त हुई। सुरक्षा और सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार अकासा एयरलाइंस ने कहा, ''विमान को मुंबई की ओर मोड़ दिया गया। कैप्टन ने सभी आवश्यक आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन किया और 00:42 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गए।'' पुलिस की मंजूरी मिलने के बाद फ्लाइट सुबह करीब 6 बजे मुंबई एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुई। मुंबई पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है.

मालेगांव 2008 विस्फोट मामले में पीड़ितों ने प्रसाद पुरोहित पर सुनवाई का विरोध किया

मुंबई : मालेगांव 2008 बम विस्फोट के पीड़ितों ने एक आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित की 25 अक्टूबर को बिना पूर्व अनुमति के सुनवाई के खिलाफ लोकसभा की याचिका समिति को पत्र लिखा है। अभियोजन की मंजूरी. पीड़ितों ने अभियोजन की पूर्व स्वीकृति प्राप्त किए बिना सरकारी सेवकों के खिलाफ आपराधिक मामला शुरू करने के संबंध में एक अभ्यावेदन पर आरोपियों की सुनवाई को खारिज करने का अनुरोध किया है। पत्र के अनुसार, पीड़ितों ने समिति से याचिका वापस लेने का भी अनुरोध किया क्योंकि इससे विशेष एनआईए अदालत/ट्रायल कोर्ट, मुंबई के दिमाग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रसाद पुरोहित के विचार को सुनना ''न्यायपालिका में हस्तक्षेप और भारतीय न्यायिक प्रणाली को कमजोर करना'' होगा।

29 सितंबर, 2008 को महाराष्ट्र के नासिक शहर के मालेगांव में एक मोटरसाइकिल पर रखे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक अन्य घायल हो गए। 23 अक्टूबर 2008 को, महाराष्ट्र एटीएस ने भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को पकड़कर मामले के संबंध में अपनी पहली गिरफ्तारी की। बाद में, मामले के सिलसिले में समीर कुलकर्णी, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, अजय राहिलकर और सुधाकर चतुर्वेदी सहित अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था। 20 जनवरी, 2009 को एटीएस ने अपनी जांच पूरी करने के बाद मामले में आरोप पत्र दायर किया। अप्रैल 2011 में केंद्र सरकार ने मामले की जांच एनआईए को ट्रांसफर कर दी.

इससे पहले, इस साल 10 अप्रैल को एक विशेष एनआईए अदालत ने मामले की सुनवाई में अपना बयान दर्ज कराने के लिए बार-बार उपस्थित नहीं होने पर एक एटीएस अधिकारी के खिलाफ 10,000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया था। इस साल 14 सितंबर को एनआईए ने एक आवेदन दायर कर विशेष एनआईए अदालत को सूचित किया कि उसने साक्ष्य दर्ज करने का काम पूरा कर लिया है और उसे अपनी ओर से बयान के लिए और गवाहों को बुलाने की जरूरत नहीं है। एनआईए ने इस मुकदमे में 323 गवाह दर्ज किए और इनके अलावा 37 गवाह मुकर भी गए।

ठाणे में मामूली वादे पर महिला की गला दबाकर हत्या

ठाणे : ठाणे सेनगांव तालुक के मकोडी में एक महिला की बहस के बाद गला दबाकर हत्या करने की घटना हुई थी. इस मामले में महिला के पिता की शिकायत पर शुक्रवार को सेनगांव पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. रात 20 बजे मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि मृत महिला की पहचान कल्पना विट्ठल सांगले (26, निवासी मकोडी) के रूप में हुई है. पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को सेनगांव तालुका के मकोडी की कल्पना विठ्ठल सांगले। 19 दोपहर को घर पर अकेली थी। इसी समय गांव का भास्कर उर्फ बाली

अशरूबा खरात उसके घर में घुस आया और उससे विवाद करने लगा. नोकझोंक के बाद विवाद बढ़ने पर भास्कर ने कल्पना की गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर वहां से भाग गया। इसी बीच रात सात बजे कल्पना का शव घर में मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना सेनगांव थाने को दी गयी. पुलिस अधीक्षक संदीपन शेल्के, पुलिस निरीक्षक रंजीत भोइटे, उप-निरीक्षक ढेमकेवाड, महिला पुलिस उप-निरीक्षक श्रीदेवी वागे की एक टीम ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद मृत कल्पना के शव को पोस्टमार्टम के लिए सेनगांव के ग्रामीण अस्पताल लाया गया. आज सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इस मामले में मृतक कल्पना के पिता अश्रुबा घुगे ने सेनगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. इसके चलते पुलिस ने भास्कर उर्फ बाली अश्रुबा खरात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है. घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भास्कर को हिरासत में ले लिया है।

एमडी, मारिजुआना का खतरा: मुंबई पुलिस ने 2023 में गिरफ्तारियों और बरामदगी में चिंताजनक वृद्धि दर्ज की

मुंबई: नशीली दवाओं के बढ़ते मामले ने आम लोगों के साथ- साथ मुंबई पुलिस को भी चिंता में डाल दिया है, फिलहाल मुंबई पुलिस के नए आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल मेफेड्रोन और मारिजुआना जैसी नशीली दवाओं से संबंधित कुल 1,059 मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में पुलिस ने इन दवाओं के सेवन, आपूर्ति या निर्माण में शामिल 1,272 लोगों को गिरफ्तार किया है। दिलचस्प बात यह है कि 2018 के आंकड़े बताते हैं कि इस साल ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस महीने, पुलिस कथित तौर पर मेफेड्रोन दवाओं के उत्पादन और आपूर्ति में शामिल कई सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने में कामयाब रही। इसके बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। नया डेटा इस बात पर प्रकाश डालता है कि 2018 के बाद से शहर में मेफेड्रोन या एमडी की व्यापक रूप से आपूर्ति कैसे की गई है और संख्या कैसे बढ़ती जा रही है। 2018 से शुरू होकर, एमडी से संबंधित केवल 34 मामले दर्ज किए गए, जिससे 42 गिरफ्तारियां

हुईं। कुल मिलाकर, पुलिस रुपये मूल्य की 94 किलोग्राम एमडी जब्त करने में सफल रही। 10.64 करोड़. अगले वर्षों, 2019 और 2020 में, क्रमशः 115 और 131 गिरफ्तारियों के साथ संख्या बढ़कर 94 और 110 मामले हो गई। 2021 में, जब्त एमडी की राशि 32.29 करोड़ थी, जिसमें 116 मामले दर्ज किए गए और 162 गिरफ्तारियां हुईं। 2022 में, उडश्क्क्‍ 19 के बाद के वर्ष में, 168 मामलों और 235 गिरफ्तारियों के साथ, जब्त की गई एमडी दवाओं में आश्चर्यजनक रूप से 4886.50 करोड़ की वृद्धि देखी गई। 2023 में जनवरी से अक्टूबर तक 327 मामले दर्ज किए गए हैं और 483 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अब तक 357.17 करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्त की गई है.

आंकड़ों के मुताबिक मारिजुआना, जिसे गांजा भी कहा जाता है, के मामलों और गिरफ्तारियों में भी इस साल वृद्धि देखी गई है। आंकड़ों की तुलना करने पर, 2018 में केवल 91 मामलों के साथ, 2023 में संख्या बढ़कर 732 हो गई। पुलिस के अनुसार, गांजा सबसे अधिक खपत वाली दवाओं में से एक है, खासकर 25 से 35 वर्ष की आयु के युवाओं और स्कूल/कॉलेज जाने वाले युवाओं के बीच बच्चे। 2019 में 322 मामले दर्ज किए गए, जिससे 352 गिरफ्तारियां हुईं। कोविड-19 के दौरान 249 मामलों और 272 गिरफ्तारियों के साथ संख्या में कमी के बाद, 2021 में 415 गिरफ्तारियों के साथ आंकड़े फिर से बढ़कर 346 मामलों तक पहुंचने लगे। 2022 में 535 गिरफ्तारियों के साथ 478 मामले दर्ज किए गए थे और इस साल अब तक 789 गिरफ्तारियों के साथ 732 मामले दर्ज किए गए हैं। इन छह वर्षों के दौरान, 2021 में सबसे अधिक बरामदगी देखी गई, जिसमें 3,738 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया गया, जिसकी कीमत 7.41 करोड़ रु है। ''पिछले कुछ वर्षों में पंजीकृत मामलों में क्रमिक वृद्धि से संकेत मिलता है कि नागरिक गलती से मानते हैं कि गांजा एक औषधीय दवा है। ऐसी गलत धारणाओं ने दवाओं के दुष्प्रभावों को समझे बिना कई लोगों की जान खतरे में डाल दी है। हमारे नशा मुक्त मुंबई अभियान का उद्देश्य नशीली दवाओं का उन्मूलन करना है।

प्रारूप: वर्ष - पंजीकृत अपराध - गिरफ्तार अभियुक्त - मूल्य (करोड़ में)

2021 - 116 - 162 - 32.29 करोड़
2022 - 168 - 235 - 4886.50 करोड़
2023 - 327 - 483 - 357.17 करोड़
मारिजुआना
2021 - 346 - 415 - 7.41 करोड़
2022 - 478 - 535 - 3 करोड़
2023 - 732 - 789 - 2.08 करोड़

बारामती सभा में मनोज जारांगे ने बताया चौंकाने वाला सच

नासिक: 'इतना बड़ा आरक्षण हमारे हाथ से चला गया फिर भी हम निश्चिन्त बने हुए हैं। माता-पिता मेहनत करते थे, बच्चों को पढ़ाते थे, पैसे कम पड़ते थे तो ब्याज लेते थे, लेकिन बच्चों को पढ़ाते थे। पिता, मां और बेटे का सपना एक ही है. पापा का एक ही सपना, कड़ी मेहनत कर मुझे पढ़ाया, लेकिन मेरे बेटे को मेरी तरह कष्ट न उठाना पड़े। मनोज जारांगे पाटिल ने अपने बाराती भाषण में कहा है कि यह माता-पिता का सपना है कि हम संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि उसे नौकरी मिलनी चाहिए। आज शाम बारामती में मराठा समुदाय के नेता मनोज जारांगे पाटिल की एक सार्वजनिक बैठक हुई. इस दौरान मनोज जारांगे पाटिल ने कहा, क्या मराठाओं के लिए आरक्षण जरूरी है? इसका विश्लेषण किया. इस मौके पर उन्होंने मराठा समुदाय के मौजूदा हालात पर बेहद मार्मिक टिप्पणी की. आप जिस विषय से निपटना चाहते हैं उसके मूल पर जाएँ। जो लोग आरक्षण की जड़ तक गए उन्होंने आरक्षण ले

लिया। इस अवसर पर मनोज जारांगे ने कहा कि हमें जीवित रहने के लिए पानी की उतनी ही आवश्यकता है जितनी हमें भविष्य में जीवित रहने के लिए आरक्षण की आवश्यकता है। हम आरक्षण के आधार पर नहीं गये हैं. हमने कई बैठकें कीं. लेकिन हम लेकर्स के भविष्य की जड़ तक नहीं गए हैं। अब मराठों को घर में आरक्षण समझ आ गया। हममें से जो लोग आरक्षण के बारे में जानते थे उन्होंने भी हमें आरक्षण के बारे में नहीं सिखाया। हमारे पास भी इतने नमूने हैं कि वे आरक्षण के बारे में जानते हुए भी हमें नहीं बताते. वजह भी वही है. वह सोचता है कि इसे पढ़ाने के बाद यदि यह बुद्धिमान हो जायेगा तो मेरे पास नहीं आयेगा।

वडगांव शेरी के निवासियों ने IT कंपनी के ध्वनि प्रदूषण से मांगी राहत

पुणे : वाडगांव शेरी के निवासी डीमार्ट रोड के पास स्थित एक आईटी कंपनी साइबेज सॉफ्टवेयर से उत्पन्न होने वाले लगातार ध्वनि प्रदूषण से बहुत चिंतित हैं। इस मुद्दे ने पड़ोस की शांति और भलाई को काफी हद तक बाधित कर दिया है, जिससे निवासियों को अपनी शिकायतें व्यक्त करने और कार्रवाई की मांग करने के लिए प्रेरित किया गया है। निवासियों ने आवासीय क्षेत्र में ध्वनि प्रदूषण नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के लिए कंपनी के खिलाफ उचित कदम उठाने की पुलिस से गुहार लगाई है। कंपनी के कार्यक्रमों के दौरान बजाए जाने वाले तेज संगीत की आवाज को कम करने के कई अनुरोधों के बावजूद, गड़बड़ी जारी है, जिससे परेशानी हो रही है और सुनने की क्षमता को नुकसान हो सकता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कंपनी की गतिविधियाँ स्थापित ध्वनि प्रदूषण नियमों और स्थानीय उपनियमों का खुलेआम उल्लंघन करती हैं। इस मुद्दे ने वरिष्ठ नागरिकों और माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों को असंगत रूप से प्रभावित किया है। जबकि निवासियों ने पुलिस को समस्या की सूचना दी है, कंपनी के बार-बार उल्लंघनों ने

निवासियों को यह विश्वास दिलाया है कि बार-बार उल्लंघन करने वालों को कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीम स्वच्छ कल्याणी नगर (टीएसकेएन) ने समुदाय की भलाई और शांति का सम्मान करने के महत्व पर जोर देते हुए साइबेज सॉफ्टवेयर को भी इन चिंताओं के बारे में बताया है। उन्होंने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) का समर्थन करने वाली कंपनी को अपने नागरिक कर्तव्यों में लड़खड़ाते हुए देखकर निराशा व्यक्त की है। वे कंपनी से अपने कार्यों को अपनी सीएसआर प्रतिबद्धताओं के साथ संरेखित करने, शोर कम करने के उपायों में निवेश करने और समुदाय की भलाई को बढ़ाने के लिए अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने का आ''न करते हैं।

देर रात तक लगातार बजने वाले संगीत ने हमारी नींद हराम कर दी है और तनावग्रस्त कर दिया है। अब समय आ गया है कि अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लें – **राहुल, निवासी**

लगातार शोर के कारण मुझे माइग्रेन हो गया है और इसका असर मेरे दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। साइबेज सॉफ्टवेयर को हमारे शांतिपूर्ण जीवन वातावरण का सम्मान करने की आवश्यकता है – **नेहा, निवासी**

मैंने व्यक्तिगत रूप से कंपनी की इवेंट मैनेजमेंट टीम से बात की है और उनसे वॉल्यूम कम करने के लिए कहा है। यह निराशाजनक है कि वे लगातार हमारे अनुरोधों की अनदेखी कर रहे हैं – **अनिकेत, निवासी**

एक हृदय रोगी के रूप में, इस ध्वनि प्रदूषण के कारण होने वाला तनाव एक वास्तविक चिंता का विषय है। हमें अधिकारियों से हस्तक्षेप करने और ध्वनि प्रदूषण नियमों को लागू करने की आवश्यकता है – **प्रिया, निवासी**

कंपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी को कायम रखने का दावा करती है, लेकिन उनके कार्य कुछ और ही कहानी बयां करते हैं। अब समय आ गया है कि वे अपने वादों को कार्यों के साथ मिलाएं और समुदाय की भलाई पर विचार करें – **अमित, निवासी**

प्रेम जाल में फंसाकर दुष्कर्म करने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

वसई : इंस्टाग्राम पर युवतियों से मिलने और फिर उनका यौन और आर्थिक शोषण करने वाले डॉक्टर को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। इस आरोपी का नाम योगेश भानुशाली है और इसे मुंबई की मालवणी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ अब तक ३ युवतियां रेप और धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। संभव है कि उसके जाल में और भी लड़कियां फंसी हों और पुलिस तलाश कर रही हो।यह मामला सबसे पहले नालासोपारा में तुलिंज पुलिस द्वारा प्रकाश में लाया गया था।नालासोपारा निवासी २१ वर्षीय युवती की पहचान इंस्टाग्राम पर डॉ. योगेश भानुशाली (३१) से हुई। यह जान-पहचान दोस्त में बदलने के बाद वह उसके साथ रोमांटिक रिश्ते में बंध गया। इसके बाद वह समय-समय पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और

उससे पैसे ऐंठने लगा, बाद में उसने शादी से इंकार कर धोखा दिया। इस बात से ये लड़की काफी उदास हो गई. उसकी मां ने नालासोपारा के तुलिंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन वह शिकायत दर्ज कराने को तैयार नहीं थी, उसके हाथ पर आरोपी योगेश का नाम भी गुदवाया हुआ था। अंततः वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शैलेन्द्र नगरकर, पुलिस निरीक्षक (अपराध) अमर पाटिल ने लड़की की काउंसलिंग की और उसे शिकायत दर्ज करने के लिए राजी किया। पुलिस पर भरोसा कर उसने शिकायत दर्ज करायी. चूंकि मलाड में योगेश भानुशाली के घर पर उसके साथ बलात्कार किया गया था, इसलिए मालवणी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इसके मुताबिक पुलिस ने भानुशाली के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद वापी (गुजरात) में रहने वाली २९ साल की लड़की और मुंबई में रहने वाली और कॉल सेंटर में काम करने वाली २३ साल की लड़की ने डॉक्टर के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई।इंस्टाग्राम पर परिचय कराकर वह उन्हें प्रेम जाल में फंसाता, इन युवतियों से शारीरिक संबंध बनाता और उनसे पैसे वसूलता।पुलिस इंस्पेक्टर अमर पाटिल ने संभावना जताई है कि मामले में ६ से ७ युवतियां और भी हैं. आरोपी भानुशाली पर २०२० में रेप और ज्ध्ण्एध्‍ के भी मामले दर्ज हैं।

स्कूली छात्र ने की आत्महत्या

वसई : नायगांव पूर्व के वाकीपाड़ा काजू प्लॉट इलाके में ११ साल के एक स्कूली लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.घटना बुधवार दोपहर करीब १२ बजे की है। लड़के का नाम महेश शंकर राठौड़ (११) है। लड़का महेश अपनी मां शांता राठौड़ और छोटे भाई के साथ नायगांव पूर्व के काजू प्लॉट इलाके में स्थित एक चाली में रहता था।और वह कर्मवीर भाऊराव पाटिल स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ रहा था। पिता नहीं होने के कारण मां घर का काम कर बच्चों की देखभाल कर रही है। रोजाना की तरह बुधवार को मां घर के काम के लिए चली गई। घर पर कोई न होने के कारण बालक महेश ने रस्सी के सहारे फांसी लगा ली।उसने रस्सी के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .